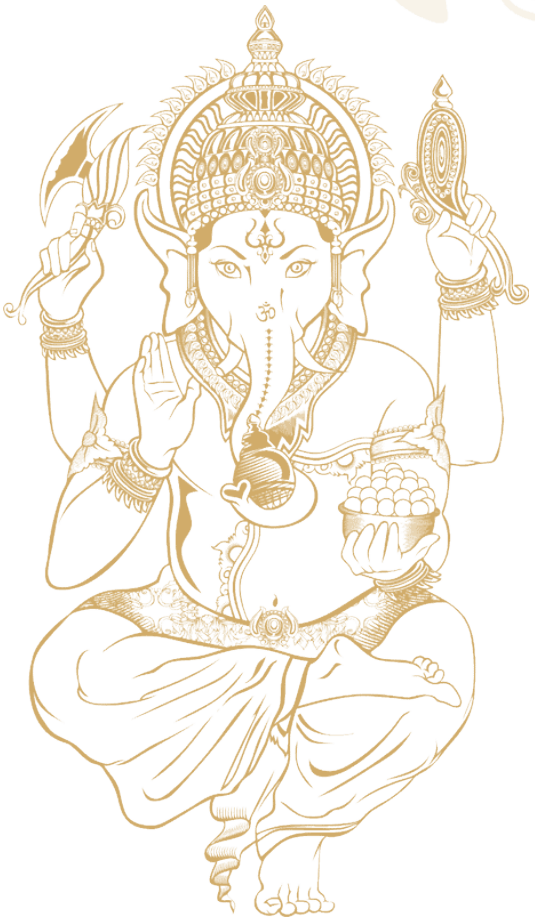

Mr.abhi

Ms.shirsti Chaturvedi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120658206

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20/10/1995	जन्म तिथि	26/05/1995
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	14:46:00 घंटे
घटी 15:54:33	जन्म समय(घटी)	23:27:30 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Amroha
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:55:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	78:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:16:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:10	सूर्योदय	05:20:06
17:44:46	सूर्यास्त	19:06:24
23:48:01	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:43

विंशोत्तरी शुक्र 19वर्ष 5मा 23दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 2वर्ष 9मा 26दि
चन्द्र	26:23:41	धनु	लग्न	कन्या	15:49:16	चन्द्र
13/04/2021	02:37:21	तुला	सूर्य	वृष	10:52:44	21/03/2024
14/04/2031	13:40:45	सिंह	चंद्र	मेष	07:57:32	22/03/2034
चन्द्र 11/02/2022	05:47:21	वृश्चि	मंगल	सिंह	06:31:38	
मंगल 12/09/2022	14:28:17	कन्या	बुध व	वृष	24:24:48	चन्द्र 20/01/2025
राहु 13/03/2024	19:57:06	वृश्चि	गुरु व	वृश्चि	17:29:34	मंगल 21/08/2025
गुरु 13/07/2025	18:37:00	तुला	शुक्र	मेष	17:37:17	राहु 20/02/2027
शनि 12/02/2027	25:05:19	कुंभ व	शनि	कुंभ	29:35:36	गुरु 21/06/2028
बुध 13/07/2028	02:43:00	तुला	राहु	तुला	11:40:23	शनि 20/01/2030
केतु 11/02/2029	02:43:00	मेष	केतु	मेष	11:40:23	बुध 21/06/2031
शुक्र 13/10/2030	02:48:22	मक	हर्ष व	मक	06:29:58	केतु 20/01/2032
सूर्य 14/04/2031	29:02:16	धनु	नेप व	मक	01:32:36	शुक्र 20/09/2033
	05:23:58	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	05:16:35	सूर्य 22/03/2034

लग्न-चलित

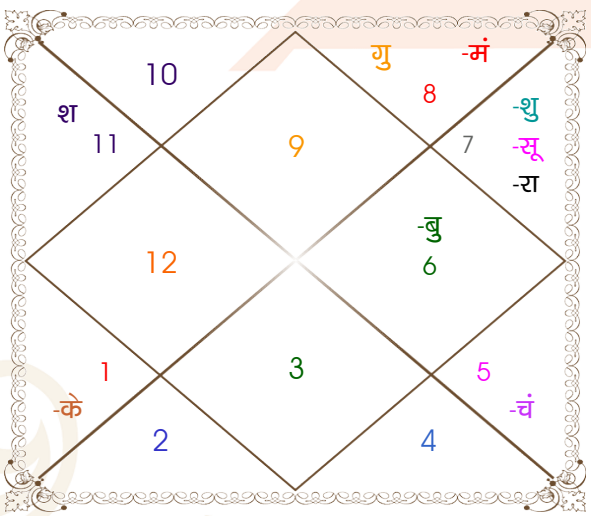

लग्न-चलित

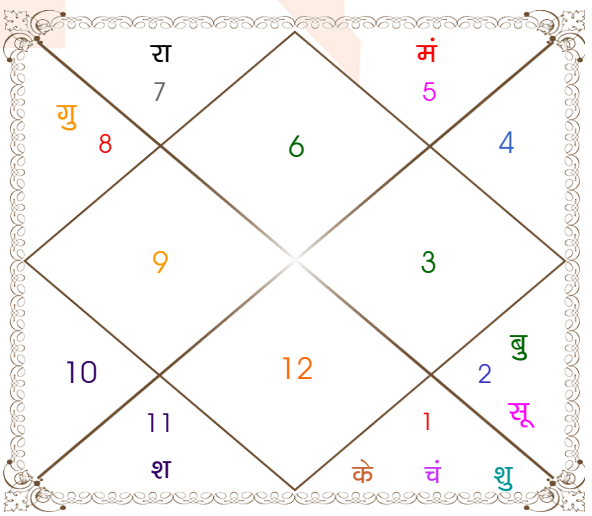

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.abhi का वर्ग मूषक है तथा डेंगेपतेजप बैंजनतअमकप का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.abhi और डेंगेपतेजप बैंजनतअमकप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.abhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.abhi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.abhi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेंगेपतेजप बैंजनतअमकप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेंगेपतेजप बैंजनतअमकप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.abhi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.abhi तथा डेंगेपतेजप बैंजनतअमकप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।